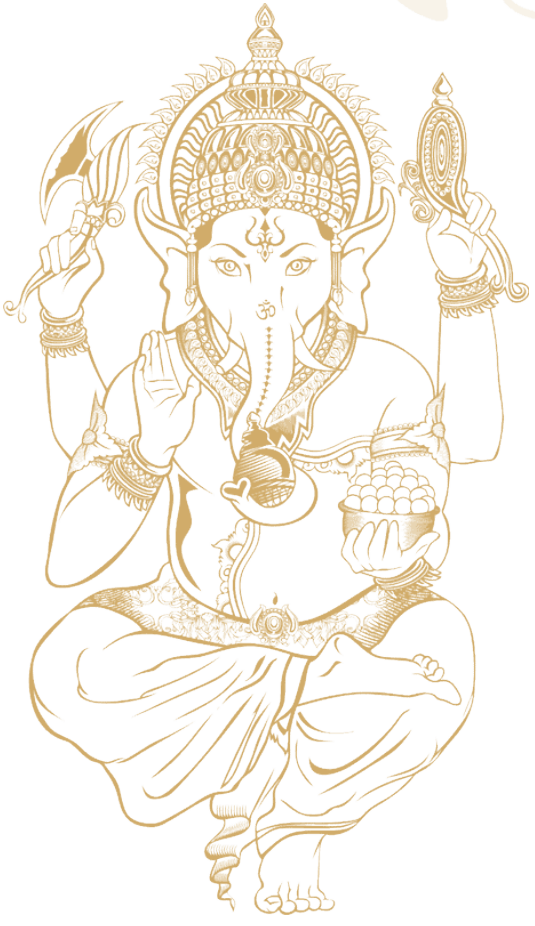

milan

21 Oct 2003

07:09 AM

Bhopal

Model: web-freekundliweb

Order No: 121315309

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**21/10/2003**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**07:09:00 घंटे**
इष्ट	02:03:10 घटी
स्थान	**Bhopal**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	23:17:00 उत्तर
रेखांश	77:28:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:48:52 घंटे
वेलान्तर	00:15:18 घंटे
साम्पातिक काल	08:45:16 घंटे
सूर्योदय	06:19:44 घंटे
सूर्यास्त	17:49:49 घंटे
दिनमान	11:30:05 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	03:20:12 तुला
लग्न के अंश	13:35:42 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शुक्ल
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मी-मीत
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	13:35:42	321:02:31	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
सूर्य			तुला	03:20:12	00:59:40	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	नीच राशि
चंद्र			सिंह	03:38:23	13:25:48	मघा	2	10	सूर्य	केतु	सूर्य	मित्र राशि
मंगल			कुंभ	09:46:10	00:16:58	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	सम राशि
बुध		अ	तुला	00:21:23	01:42:06	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	मित्र राशि
गुरु			सिंह	17:17:21	00:10:49	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि
शुक्र			तुला	20:07:33	01:14:39	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	स्वराशि
शनि			मिथु	19:18:40	00:00:33	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	मित्र राशि
राहु	व		मेष	26:45:57	00:02:44	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	सूर्य	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	26:45:57	00:02:44	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	सम राशि
हर्ष	व		कुंभ	05:07:50	00:00:54	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	---
नेप	व		मक	16:29:40	00:00:04	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	24:04:08	00:01:36	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	---
दशम भाव			कर्क	14:58:33	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:22

लग्न-चलित

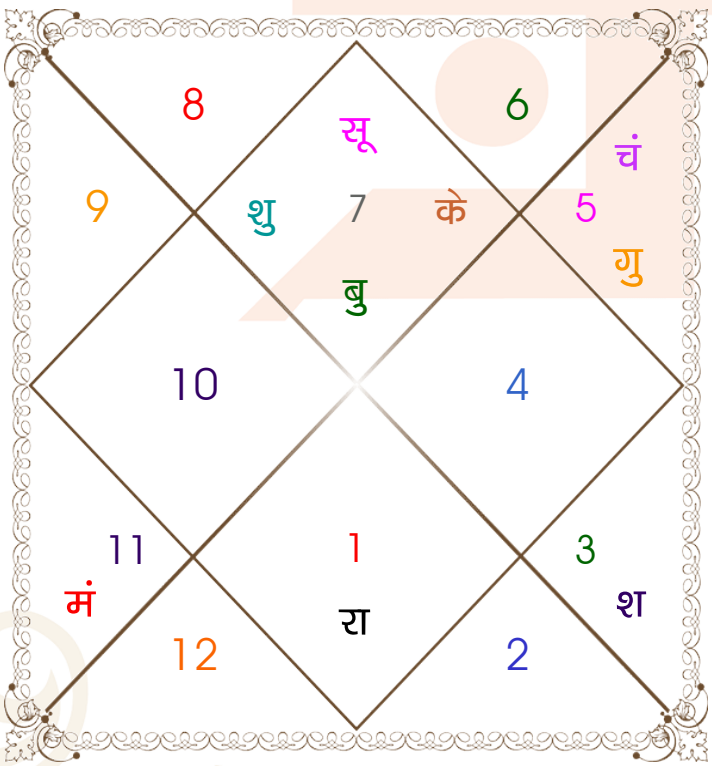

चन्द्र कुंडली

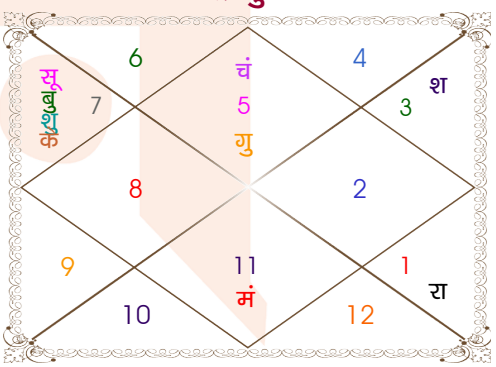

नवमांश कुंडली

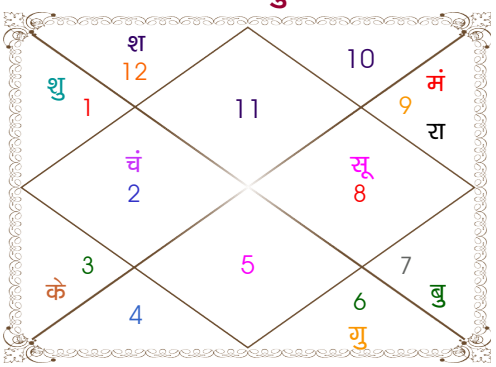

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 5 वर्ष 1 मास 2 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
21/10/2003		22/11/2008		22/11/2028		22/11/2034		22/11/2044	
22/11/2008		22/11/2028		22/11/2034		22/11/2044		22/11/2051	
	00/00/0000	शुक्र	23/03/2012	सूर्य	11/03/2029	चंद्र	23/09/2035	मंगल	20/04/2045
	21/10/2003	सूर्य	23/03/2013	चंद्र	10/09/2029	मंगल	23/04/2036	राहु	08/05/2046
सूर्य	26/10/2003	चंद्र	22/11/2014	मंगल	16/01/2030	राहु	22/10/2037	गुरु	14/04/2047
चंद्र	26/05/2004	मंगल	22/01/2016	राहु	10/12/2030	गुरु	21/02/2039	शनि	23/05/2048
मंगल	22/10/2004	राहु	22/01/2019	गुरु	29/09/2031	शनि	22/09/2040	बुध	20/05/2049
राहु	10/11/2005	गुरु	22/09/2021	शनि	10/09/2032	बुध	21/02/2042	केतु	16/10/2049
गुरु	17/10/2006	शनि	22/11/2024	बुध	17/07/2033	केतु	22/09/2042	शुक्र	16/12/2050
शनि	25/11/2007	बुध	23/09/2027	केतु	22/11/2033	शुक्र	23/05/2044	सूर्य	23/04/2051
बुध	22/11/2008	केतु	22/11/2028	शुक्र	22/11/2034	सूर्य	22/11/2044	चंद्र	22/11/2051

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
22/11/2051		22/11/2069		22/11/2085		23/11/2104		23/11/2121	
22/11/2069		22/11/2085		23/11/2104		23/11/2121		00/00/0000	
राहु	05/08/2054	गुरु	10/01/2072	शनि	25/11/2088	बुध	21/04/2107	केतु	21/04/2122
गुरु	28/12/2056	शनि	23/07/2074	बुध	05/08/2091	केतु	17/04/2108	शुक्र	21/06/2123
शनि	04/11/2059	बुध	28/10/2076	केतु	13/09/2092	शुक्र	16/02/2111	सूर्य	22/10/2123
बुध	24/05/2062	केतु	04/10/2077	शुक्र	13/11/2095	सूर्य	24/12/2111		00/00/0000
केतु	11/06/2063	शुक्र	04/06/2080	सूर्य	25/10/2096	चंद्र	24/05/2113		00/00/0000
शुक्र	11/06/2066	सूर्य	23/03/2081	चंद्र	27/05/2098	मंगल	21/05/2114		00/00/0000
सूर्य	05/05/2067	चंद्र	23/07/2082	मंगल	05/07/2099	राहु	08/12/2116		00/00/0000
चंद्र	03/11/2068	मंगल	29/06/2083	राहु	12/05/2102	गुरु	16/03/2119		00/00/0000
मंगल	22/11/2069	राहु	22/11/2085	गुरु	23/11/2104	शनि	23/11/2121		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 5 वर्ष 0 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।